NEWS COVERAGE REPORT OF CULTURE DEPARTMENT FOR 9 & 10 FEBRUARY 2025

10 FEBRUARY

DAILY NEWS

अंतरराष्ट्रीय रामायण कॉन्क्लेव का आयोजन आज

Publication	नवभारत टाइम्स (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	10 FEB 2025	Page- 03

आज होगा महानाट्य 'हमारे राम' का मंचन

■ NBT न्यूज, लखनऊ

गोमतीनगर के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय रामायण कॉन्क्लेव में महानाट्य हमारे राम का मंचन होगा। इसमें अभिनेता आशुतोष राणा रावण का किरदार निभाएंगे। अंतरराष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान और संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित कॉन्क्लेव में एक संवाद का आयोजन भी होगा। इसमें आशुतोष राणा नवभारत टाइम्स के साथ राम की विश्वव्यापकता पर संवाद करेंगे। कार्यक्रम में एनबीटी के उन पाठकों को शामिल होने का मौका मिलेगा, जिन्होंने लकी ड्रॉ में पास जीते हैं। इन विजेताओं को आशुतोष राणा से प्रश्न करने का भी मौका मिलेगा।

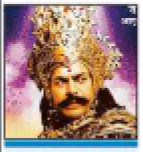

NBT संग संवाद में आशुतोष राणा से सवाल पूछ सकेंगे लकी ड्रॉ में पास जीतने वाले रीडर

वैदिक शोध संस्थान के सलाहकार आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि महानाट्य के मंचन के साथ अन्य कई कार्यक्रम होंगे। स्टोरीमैन जितेश श्रीवास्तव शबरी की कथा सुनाएंगे। इसके बाद रामायण एवं वेद विज्ञान पर आधारित क्विज होगा। जादूगर राकेश श्रीवास्तव राम से राष्ट्र नामक मैजिक शो करेंगे। शाम 5:30 से महानाट्य हमारे राम का मंचन होगा। नाटक में एंट्री आमंत्रण के आधार पर होगी। इसके अलावा एनबीटी के जिन पाठकों ने नाटक के पास जीते हैं, उन्हें भी यह नाटक देखने का मौका मिलेगा। कार्यक्रम में विश्व स्तर पर रामलीला और राम वनगमन पथ नामक दो प्रदर्शनियों का भी आयोजन होगा।

सुबह से शाम तक होंगे कार्यक्रम

- **10 AM से 9 PM**: 'विश्व स्तर पर रामलीला' और 'राम का गमन पथ प्रदर्शनी'
- **11:30 AM से 11:45 AM**: स्टोरी मैन जीतेश श्रीवास्तव सुनाएंगे 'शबरी की कथा'
- **11:45 AM से 12:30 PM**: रामायण एवं वेद विज्ञान क्विज प्रतियोगिता
- **12:30 PM से 1:00 PM**: जादूगर राकेश श्रीवास्तव का 'राम से राष्ट्र' मैजिक शो
- **3:30 PM**: 'विश्वव्यापी श्री राम' विषय पर आशुतोष राणा का नवभारत टाइम्स के साथ संवाद
- **5:30 PM**: महानाट्य 'हमारे राम' का मंचन

Publication	पायनियर (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	10 FEB 2025	Page- 03

महानाट्य 'हमारे राम' का मंचन आज

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय रामायण कॉन्क्लेव के तहत पर्यटन विभाग और अंतरराष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान, संस्कृति विभाग द्वारा 10 फरवरी, 2025 को सुबह 11 बजे से गोमतीनगर के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में अंतरराष्ट्रीय रामायण कॉन्क्लेव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य दुनिया भर में श्री राम की संस्कृति, धर्म और आध्यात्मिकता को फैलाना है। इस अवसर पर श्री राम संवाद का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सुप्रसिद्ध अभिनेता आशुतोष राणा द्वारा अभिनीत महानाट्य हमारे राम का मंचन किया जाएगा, जो राम की महानता, त्याग, बलिदान और आदर्श जीवन मूल्यों को दर्शकों तक पहुंचाएगा। यह जानकारी संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का विशेष आकर्षण आशुतोष राणा अभिनीत हमारे राम महानाट्य शाम 5:30 बजे से होगा।

Publication	अमृत विचार (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	10 FEB 2025	Page- 07

आशुतोष राणा अभिनीत राम महानाट्य का मंचन आज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: पर्यटन विभाग और अंतरराष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान की ओर से 10 फरवरी को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में अंतरराष्ट्रीय रामायण कॉन्क्लेव का भव्य आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह द्वारा किया जाएगा।

इस अंतरराष्ट्रीय रामायण कॉन्क्लेव का उद्देश्य न केवल राम के जीवन से जुड़ी सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखना है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भारत की धार्मिक और आध्यात्मिक धरोहर को भी बढ़ावा देना है। यह आयोजन राम के जीवन, उनके संदेशों और भारतीय संस्कृति के महत्व को वैश्विक स्तर पर फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कार्यक्रम में विश्व में रामलीला एवं राम वन गमन पथ प्रदर्शनी, शबरी कथा, रामायण एवं वेद विज्ञान क्विज प्रतियोगिता, राम से राष्ट्र मैजिक शो, विश्वव्यापी राम संवाद और सुप्रसिद्ध अभिनेता आशुतोष राणा अभिनीत महानाट्य हमारे राम का मंचन होगा।

विश्व को और नई पीढ़ी को देश की सांस्कृतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक धरोहर के प्रति आकर्षित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान पर्यटन विभाग के सहयोग से पहली बार नेपाल और श्रीलंका समेत राम वन गमन पथ समेत 11 स्थानों पर अंतरराष्ट्रीय रामायण कॉन्क्लेव का आयोजन कर रहा है। इसी कड़ी में लखनऊ में 10 फरवरी को पूर्वाह्न 11 बजे से देर शाम तक आयोजन किए जा रहे हैं।

कार्यक्रमों में शबरी की कथा पूर्वाह्न 11:30 से 11:45 बजे तक स्टोरीमैन जितेश श्रीवास्तव द्वारा प्रस्तुत की जाएगी। रामायण एवम् वेद विज्ञान क्विज प्रतियोगिता पूर्वाह्न 11:45 से 12:30 बजे तक होगी। राम से राष्ट्र मैजिक शो अपराह्न 12:30 से एक बजे तक जादूगर राकेश श्रीवास्तव द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। अपराह्न 3:30 बजे से विश्वव्यापी राम संवाद आशुतोष राणा के साथ होगा। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण अभिनेता आशुतोष राणा अभिनीत हमारे राम महानाट्य होगा जो शाम 5:30 बजे से होगा।

Publication	अमर उजाला (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	10 FEB 2025	Page- 08

रविवार को भी हुआ 'हमारे राम' का मंचन

संवाद

लखनऊ। आशुतोष राणा अभिनीत महानाट्य 'हमारे राम' का मंचन रविवार को भी इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के ज्युपिटर हॉल में किया गया। इस दौरान हॉल के पिछले हिस्से से हुई पवनपुत्र हनुमान की एंट्री पर पूरा हॉल तालियों से गूंज उठा। रावण के किरदार में फिल्म अभिनेता आशुतोष राणा की संवाद अदायगी ने दर्शकों को रोमांचित किए रखा। कविता के रूप में संवादों ने खासा प्रभावित किया। इस दौरान दो शो आयोजित किए गए। (माई सिटी रिपोर्टर)

Publication	हिन्दुस्तान (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	10 FEB 2025	Page- 08

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में रविवार को हुए नाटक 'हमारे राम' में 122 से ज्यादा कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुति से दर्शकों का दिल जीता।

महानाट्य हमारे राम का हुआ मंचन, राम की भूमिका में नजर आए राहुल आर भूचर

मंच पर आशुतोष राणा ने अभिनय से रावण के किरदार को किया जीवंत

महानाट्य

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। विशालकाय रावण का रथ, भव्य शिवलिंग, राम का दरबार और राम एवं रावण गूंजते स्वर के साथ मंचित महानाट्य 'हमारे राम' दर्शकों में आकर्षण भरता गया। इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में हुए नाटक ने दर्शकों को एक अलग अनुभव दिया। मंच पर 122 से ज्यादा कलाकार थे। दर्शकों को फिल्म जैसा नजारा दिखा।

रामायण के भाव को केन्द्र में रख लिखे गए गीतों को कैलाश खेर, सोनू निगम और शंकर महादेवन ने आवाज दी तो रावण की भूमिका में अभिनेता आशुतोष राणा और राम की भूमिका में राहुल आर भूचर ने जान फूंक दी। नाटक में वीएफएक्स के प्रयोग ने रंगमंच के दर्शकों को एक नया अनुभव दिया।

हमारे राम नाटक की शुरुआत लव और कुश के अपने पिता राम से सवालों के साथ शुरू होती है।

राम जब लव कुश के सवालों पर चुप रहते हैं तो भगवान राम और सीता की अमर कहानी को भगवान सूर्य के माध्यम से उनके शाश्वत प्रेम, कठिनाइयों, परीक्षणों और विजय की यात्रा बतायी जाती है। मंच पर एक तरफ राम की सौम्यता थी तो दूसरी तरफ रावण दंभ था।

इस नाटक में रामायण के कुछ ऐसे प्रसंग भी दिखाए गए धारावाहिक रामायण में भी नहीं थे, जैसे कि जब भगवान राम लंका पर चढ़ाई करने जाते हैं तो उससे पूर्व वो महादेव की उपासना करना चाहते थे। जिसके लिए राम ने रावण को ही आचार्य बनाया था। जिसने पूजा करवायी। ऐसे ही कई अन्य प्रसंग इस महानाट्य के माध्यम से दर्शकों ने देखे।

डेढ़ सौ से ज्यादा मंचन हो चुके हैं नाटक के

भव्य रामायण की कहानी में सभी पात्र थे लेकिन इसे और भव्यता देने के लिए राम और रावण का दरबार, 50 से अधिक नर्तकियों का नृत्य, एलईडी संचलन के साथ ही वीएफएक्स ने महानाट्य की भव्यता को बढ़ा दिया। भगवान हनुमान की भूमिका में दानिश अख्तर, तरूण खन्ना भगवान शिव की भूमिका में, हरलीन कौर रेखी ने माता सीता की, और करण शर्मा सूर्य देव की भूमिका दिखायी दिए। हमारे राम का निर्देशन गौरव भारद्वाज ने किया है। जिसके अब तक डेढ़ सौ से ज्यादा मंचन हो चुके हैं।

दमदार प्रस्तुति अभिनेता आशुतोष राणा ने रविवार को रावण का दमदार अभिनय किया।

शो के बाद रावण संग सेल्फी के लिए दर्शकों में मची होड़

इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में नाटक हमारे राम के दो शो हुए। पहला शो ढाई बजे हुआ और तीन घंटे बाद खत्म हुआ। जब शो खत्म हो दर्शकों में सबसे ज्यादा क्रेज रावण का किरदार निभाने वाले अभिनेता आशुतोष राणा के प्रति देखने को मिला। बच्चे, युवा, बुजुर्ग हर किसी ने अभिनेता आशुतोष राणा को घेर लिया और उनके साथ फोटो खिंचवाने के लिए आतुर दिखे। आशुतोष राणा ने किसी को भी निराश नहीं किया और सभी को समय देकर फोटो क्लिक कराए।

50 से अधिक कलाकारों के नृत्य, एलईडी संचलन के साथ ही वीएफएक्स ने महानाट्य की भव्यता को बढ़ा दिया

Publication	दैनिक जागरण (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	10 FEB 2025	Page- 01

चित्त, चरित्र और चिंतन में 'हमारे राम'

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में किया गया महानाट्य के मंचन आशुतोष राणा के अभिनय ने किया मुग्ध

122 कलाकारों ने मंच पर प्रस्तुत की अनूठी रामायण

दशानन का अट्टहास : इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में नाटक हमारे राम का मंचन करते अभिनेता आशुतोष राणा ● रंजनाथ तिवारी

नाटक हमारे राम का मंचन करते अभिनेता राहुल आर भूचर व हरलीन कौर ● जागरण

जागरण संवाददाता ● लखनऊ : राम ही सत्य है। राम ही सनातन हैं और वे ही शाश्वत हैं। वे हैं तो सृष्टि है। उन्हीं से रामराज्य की परिकल्पना है। जन-जन के चित्त, चरित्र और चिंतन में भी हैं 'हमारे राम'। 122 कलाकारों ने महानाट्य हमारे राम का मंचन किया तो हर किसी ने श्रीराम की अनंत महिमा को अनुभूत किया। महाज्ञानी किंतु अहंकारी दशानन का मर्दन होते भी देखा। तीन घंटे की इस इस सजीव प्रस्तुति ने हर किसी को भावुक, मुग्ध और रोमांचित कर दिया।

नाटक का मंचन देखते अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एसपी गोयल व अन्य ● जागरण

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जुपिटर प्रेक्षागृह में श्रीराम का दरबार सजा। रामलीला को हम गुनगुनाने चले... प्रभु राम के पुत्र लव (सिमरन) और कुश (दीया) इस गीत के जरिये रामायण की कहानी कहते मंच पर पधारे और प्रभु राम (राहुल भूचर) के सामने मां सीता (हरलीन रेखी) से जुड़े अनेक प्रश्न खड़े कर दिए। प्रभु को अपने बच्चों के सामने निरुत्तर देख लक्ष्मण (भानू प्रताप सिंह) जी ने सूर्यदेव (करन शर्मा) का आवाहन किया। वह प्रकट हुए। बोले- 'तुम्हें उत्तर मिलेंगे राम और सिया की कहानी से...'। रामलीला की यात्रा 'दशानन-दशानन...' गीत के साथ रावण (आशुतोष राणा) के प्रसंग की ओर मुड़ी। दशानन महादेव (तरुण खन्ना) की आराधना कर रहे हैं। उन्हें भगवान को अर्पित करने के लिए नारियल नहीं मिलता। तब वह- 'मेरे स्वामी के पूजन का अभियान नहीं रुक पाएगा, नारियल के बदले में रावण अपना यह शीश चढ़ाएगा...' कहते हुए अपना शीश शिवजी को अर्पित कर देते हैं। शिवजी प्रकट होते हैं और उन्हें पुनर्जीवित कर देते हैं। रावण 'सदैव सर्वमंगला कला के शीर्ष देवता...' गुनगुनाते हैं और शिव जी वरदान में उन्हें चंद्रहास प्रदान करते हैं। अगला दृश्य जनक दरबार का है। यहां पिनाक धनुष खंडित कर श्रीराम सीता जी का वरण करते हैं। इसके बाद रावण और अप्सरा रंभा का तीक्ष्ण संवाद होता है। रावण बलपूर्वक रंभा से व्यभिचार करता है तब रंभा के प्रेमी रावण को शाप देते हैं, 'किसी स्त्री की इच्छा के बिना उसका शील भंग किया तो तुम्हारे शीश के टुकड़े-टुकड़े हो जाएंगे।' इधर अयोध्या में माता कैकेयी महाराज दशरथ से श्रीराम के लिए 14 वर्षों का वनवास मांग लेती हैं। श्रीराम आज्ञापालन में सीता और लक्ष्मण संग वन प्रस्थान करते हैं।

अपने पति का वध से दुखी राक्षसी शूर्पणखा अपनी कुलदेवी निकुंभला का आवाहन करती है। वह उसे पंचवटी में श्रीराम से विवाह का प्रस्ताव रखने का सुझाव देकर कहती हैं, 'यही तुम्हारे प्रतिशोध का माध्यम बनेगा।' शूर्पणखा ऐसा ही करती है। तब लक्ष्मण जी उसकी नाक काट देते हैं और वह लज्जित होकर रावण के दरबार में व्यथा सुनाती है। बदले में रावण सीता का हरण करता है। तब राम जी, हनुमान जी, सुग्रीव और वानर सेना के साथ लंका पर चढ़ाई कर दशानन का वध करते हैं।

International Ramayan Conclave in Lucknow Today

Publication	Hindustan Times (Lucknow Edition)	Publishing Date :	10 FEB 2025	Page- 02

INT'L RAMAYAN CONCLAVE IN LUCKNOW TODAY

LUCKNOW: The tourism department, in collaboration with the International Ramayan and Vedic Research Institute and the culture department, is set to host the prestigious International Ramayan Conclave on February 10 at Indira Gandhi Pratishthan in Gomti Nagar, Lucknow. The event will be inaugurated by chief guest Jaiveer Singh, minister of culture and tourism.

According to Mukesh Meshram, principal secretary of culture and tourism, the International Ramayana Conclave aims not only to preserve the cultural heritage associated with Lord Ram's life but also to promote India's religious and spiritual legacy on a global stage. The event will play a crucial role in spreading Lord Ram's teachings and highlighting the significance of Indian culture worldwide.

The event will showcase a diverse range of programmes, including a Ram Leela performance, a Ram Van Gaman Path exhibition, the Shabari story, a Ramayana and Vedic science quiz competition, the "Ram Se Rashtra" magic show, the global "Shri Ram Samvaad," and the much-anticipated play Hamare Ram, featuring Bollywood actor Ashutosh Rana. The conclave will be organised across 11 international locations, including Nepal and Sri Lanka, making it the first-ever global Ramayana Conclave. In Lucknow, event will take place on February 10. HTC

Ashutosh Rana mesmerises audience

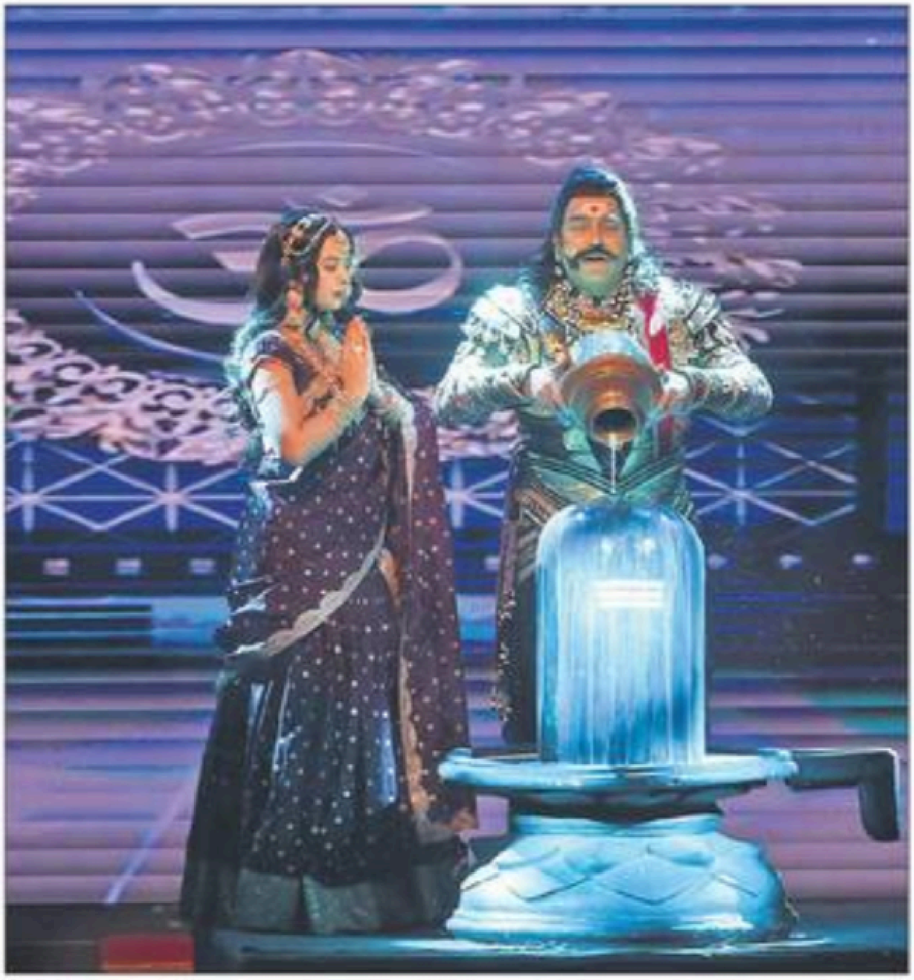

Bollywood actor Ashutosh Rana portrayed 'Ravan' in the play 'Hamare Ram', staged at the Indira Gandhi Pratishthan in Lucknow on Sunday. DEEPAK GUPTA/HT PHOTO

Publication	Amar Ujala	Publishing Date :	10 FEB 2025	Online

https://www.amarujala.com/lucknow/ramayana-conclave-today-ashutosh-rana-will-be-seen-in-hamara-ram-lucknow-news-c-13-lko1070-1070326-2025-02-10

Lucknow News: रामायण कॉन्क्लेव आज, 'हमारे राम' में दिखेंगे आशुतोष राणा

लखनऊ ब्यूरो

Updated Mon, 10 Feb 2025 02:00 AM IST

09 FEBRUARY

DAILY NEWS

पद्मश्री प्रो. श्याम शर्मा को ललित कला अकादमी का सर्वोच्च सम्मान

Publication	दैनिक जागरण (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	9 FEB 2025	Page- 04

प्रो . श्याम शर्मा को ललित कला अकादमी का सर्वोच्च सम्मान

ललित कला अकादमी लाल बारादरी भवन कैसरबाग में स्थापना दिवस पर आयोजित सम्मान समारोह में सम्मानित विभूतियों के साथ वरिष्ठ कलाकार पद्मश्री श्याम शर्मा, संस्कार भारती के संरक्षक बांके लाल गौड़, राज्य ललित कला अकादमी के पूर्व अध्यक्ष सीताराम कश्यप, अध्यक्ष डा.सुनील कुमार विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष गिरिश चंद्र व निदेशक डा. श्रद्धा शुक्ला • जागरण

जासं • लखनऊ : राज्य ललित कला अकादमी ने पद्मश्री से अलंकृत प्रो. श्याम शर्मा को अपना सर्वोच्च अधिसदस्यता सम्मान प्रदान किया। अकादमी के लाल बारादरी भवन, कैसरबाग में आयोजित 64वें स्थापना दिवस समारोह में 22 वर्ष बाद किसी कलाकार को यह सम्मान दिया गया है। पटना के मूर्धन्य छापाकला विधा के कलाकार प्रो. शर्मा को पुरस्कार राशि 51 हजार रुपये, अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न और पौधा भेंट किया गया। कला के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 37 अन्य कलाकारों को भी धनराशि, प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिह्न प्रदान किया गया।

- अकादमी के 64वें स्थापना दिवस पर 37 कलाकारों का सम्मान
- 22 साल बाद किसी कलाकार को दिया गया अधिसदस्यता सम्मान

> राज्य ललित कला अकादमी का गौरवशाली इतिहास है। अकादमी ने मुझे यह सम्मान देकर गौरवान्वित किया है। युवा कलाकारों को भी सम्मान देकर प्रोत्साहित करने की पहल सराहनीय है।
> – प्रो . श्याम शर्मा, अधिसदस्यता सम्मान प्राप्तकलाकार।

महाकुंभ-2025, प्रयागराज पर आधारित अखिल भारतीय कला प्रदर्शनी 2024-25 में पुरस्कृत 10 कलाकारों मनीष गोंड, हिमांचल प्रदेश (चित्र), उमेंद्र प्रताप सिंह, लखनऊ (चित्र), नेहा कुमारी, वाराणसी (चित्र), जय गुप्ता, वाराणसी (चित्र), सुमित कुमार ठाकुर, कानपुर (चित्र), प्रीति, दिल्ली (चित्र), अनूप कुमार सिंह, लखनऊ (रेखांकन), त्रिभुवन कुमार, लखनऊ (ग्राफिक), मनोज कुमार, गोरखपुर (मूर्ति), सुशील कुमार भीम, जौनपुर (मूर्ति) को 50-50 हजार रुपये, स्मृति चिह्न और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

प्रदेश में स्थापित की जा रहीं 40 प्रतिमाएं: राज्य ललित कला अकादमी की निदेशक डा. श्रद्धा शुक्ला ने अकादमी की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। बताया कि पिछले वर्ष में अकादमी की ओर से कलाकारों के उन्नयन से जुड़े 60 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। संस्कृति विभाग के निर्देश पर प्रदेशभर में 40 प्रतिमाएं स्थापित की जा रही हैं। ये प्रतिमाएं भगवान श्रीराम समेत विभिन्न महापुरुषों की हैं।

इन्हें 10 हजार रुपये का पुरस्कार

अकादमी की क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी में पुरस्कृत 21 कलाकारों डा. दुर्जन सिंह-बुलंदशहर (चित्र), यशस्वी मेरठ (चित्र), शगुफ्ता-मुजफ्फरनगर (चित्र), अनुल शर्मा-आगरा (ग्राफिक्स), कमलेश्वर शर्मा- मथुरा (चित्र), ऋषभ प्रताप सिंह-आगरा (टेराकोटा), रश्मि श्रीवास्तव लखनऊ (चित्र), शिवम सिंह प्रजापति-प्रयागराज (मूर्तिकला), सुषमा पाल-लखनऊ (मूर्तिकला), बलदाव वर्मा वाराणसी (चित्र), अक्षत कुमार सिंह-जौनपुर (चित्र), संतोष कुमार-वाराणसी (मूर्ति), महेश कुमार वर्मा बस्ती (मूर्ति), विनय कुमार-महाराजगंज (चित्र), विवेक कुमार साहनी-गोरखपुर (चित्र), श्रुति वर्मा-बरेली (चित्र), अमन अग्रवाल-बरेली (चित्र), विनोद कुमार-रामपुर (चित्र), सुमित ठाकुर-कानपुर (चित्र), सुबोध पाल-कानपुर (ड्राइंग), समीक्षा द्विवेदी-कानपुर (कोलाज) को 10-10 हजार रुपये व प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

इन्हें 20 हजार रुपये का पुरस्कार

पंचम राज्य व्यावहारिक कला प्रदर्शनी 2024-25 में पुरस्कृत कलाकार सुनील कुमार- अयोध्या, अतुल हुंडू- लखनऊ, शुभम कुमार चौहान-वाराणसी, सत्यम विश्वकर्मा-वाराणसी, कैलाश सोनी देवास- मध्य प्रदेश को 20-20 हजार रुपये, स्मृति चिह्न, प्रमाणपत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।

साधना से कलाकार बनते हैं साधक

मुख्य अतिथि राष्ट्रीय कवि एवं संस्कार भारती के अखिल भारतीय संरक्षक बांके लाल गौड़ ने कहा कि कलाकार साधना करता है, तब जाकर उसे साधक शब्द मिलता है। यह वैचारिक संघर्ष का युग है। तूलिका के माध्यम से भी अपने विचारों को व्यक्त कर सकते हैं। विशिष्ट अतिथि अकादमी के पूर्व अध्यक्ष सीताराम कश्यप, अध्यक्ष डा. सुनील कुमार विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष गिरीश चंद, निदेशक डा. श्रद्धा शुक्ला आदि ने भी विचार व्यक्त किए।

Publication	अमर उजाला (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	9 FEB 2025	Page- 08

हुनरमंद हाथों की कला को सम्मान

राज्य ललित कला अकादमी के 64वें स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह में 37 कलाकारों को किया गया सम्मानित

माई सिटी रिपोर्टर

सम्मानित लोगों के साथ भारतीय संस्कार भारती के संरक्षक बांके लाल गौड़ व राज्य ललित कला अकादमी के पूर्व अध्यक्ष सीताराम कश्यप। -अमर उजाला

लखनऊ। राज्य ललित कला अकादमी की ओर से 64वें स्थापना दिवस पर शनिवार को लाल बारादरी भवन में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विधाओं के कुल 37 कलाकारों को सम्मानित किया गया। इनमें से छह लखनऊ से हैं। अकादमी का सर्वोच्च 'अधिसदस्यता सम्मान' 22 वर्ष बाद इस बार देश के प्रसिद्ध छापा कलाकार पद्मश्री श्याम शर्मा को दिया गया। उन्हें 51 हजार रुपये की सम्मान राशि, अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न व प्रशस्ति पत्र दिया गया।

महाकुंभ पर आधारित अखिल भारतीय कला प्रदर्शनी 2024-25 में पुरस्कृत दस कलाकारों को 50-50 हजार रुपये का पुरस्कार, स्मृति चिह्न व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इसमें लखनऊ से उमेंद्र प्रताप सिंह (चित्र), अनूप कुमार सिंह (रेखांकन) और त्रिभुवन कुमार (ग्राफिक) शामिल रहे। पंचम राज्य व्यावहारिक कला प्रदर्शनी 2024-25 में पुरस्कृत कलाकारों को 20-20 हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया।

इनमें लखनऊ से अतुल हुन्डू शामिल रहे। वहीं, क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी में पुरस्कृत 21 कलाकारों को 10-10 हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया। इनमें लखनऊ से रश्मि श्रीवास्तव (चित्र) और सुषमा पाल (मूर्तिकला) शामिल रहीं।

इस अवसर पर भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। अकादमी की ओर से संचालित बीवीए (चित्रकला) के प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं की कृतियों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। अकादमी में संग्रहीत कलाकृतियों की प्रदर्शनी भी अकादमी की वीथिकाओं में सजी।

पद्मश्री श्याम शर्मा को अकादमी का सर्वोच्च अधिसदस्यता सम्मान मिला

सम्मान पाने वालों की सूची देखने के लिए स्कैन करें क्यूआर कोड

फरमाइशी कार्यक्रम अपनी जगह, कलात्मक आयोजन जरूर करें

सम्मान समारोह में पद्मश्री श्याम शर्मा ने कहा कि राज्य ललित कला अकादमी का गौरवशाली इतिहास रहा है। इसकी गरिमा फिर से स्थापित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि फरमाइशी कार्यक्रम अपनी जगह हैं, लेकिन कलात्मक आयोजन जरूर करते रहिए, यही अकादमी की पहचान रही है।

कलाकार समाज का दर्पण : गौड़

मुख्य अतिथि राष्ट्रीय कवि व संस्कार भारती के अखिल भारतीय संरक्षक बांकेलाल गौड़ ने कहा कि कलाकार संपूर्ण जीवन को तपस्या के रूप में आहूत करने के बाद ही प्रभावित करने वाली कलाकृति का सृजन कर पाता है। वह समाज का दर्पण होता है। विशिष्ट अतिथि राज्य ललित कला अकादमी के पूर्व अध्यक्ष सीताराम कश्यप ने कहा कि अकादमी के इतिहास में यह पहला आयोजन है, जब एक साथ इतने कलाकार पुरस्कृत किए गए। इस मौके पर पद्मश्री श्याम शर्मा के मोनोग्राफ का विमोचन भी किया गया। इस मौके पर निदेशक श्रद्धा शुक्ला, उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र, वरिष्ठ कलाकार रंगकर्मी डॉ. अनिल रस्तोगी, अखिलेश निगम, पृथ्वीपाल आदि मौजूद रहे।

Publication	हिन्दुस्तान (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	9 FEB 2025	Page- 10

राज्य ललित कला अकादमी के 64 वें स्थापना दिवस पर सर्वोच्च अधिसदस्यता सम्मान श्याम शर्मा को

स्थापना दिवस पर कला नगीनों को नवाजा

आयोजन

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। चित्रकारी, छापाकला, ग्राफिक्स, रेखांकन, मूर्तिकला व अन्य विधाओं से विचारों को उकेरने वाले कला नगीनों को राज्य ललित कला अकादमी के स्थापना दिवस पर सम्मानित किया गया।

अकादमी का 64 वां स्थापना दिवस ऐतिहासिक अकादमी परिसर में मनाया गया। जहां रंगों से कला की सेवा करने वाली 37 विभूतियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अकादमी का सर्वोच्च अधिसदस्यता सम्मान पटना के लोकप्रिय छापा कलाकार पद्मश्री श्याम शर्मा को दिया गया।

सम्मानित कलाकारों को अकादमी की ओर से 51 हजार की धनराशि, सम्मान पत्र, स्मृति चिन्ह दिया गया। इसके अलावा विविध वर्गों में अन्य 36 कलाकारों को 50 हजार, 20 हजार व 10 हजार रुपए की धनराशि पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कलाकारों को मुख्य अतिथि अखिल भारतीय संरक्षक संस्कार भारती बांके लाल गौड़, अकादमी के पूर्व अध्यक्ष सीताराम कश्यप, अकादमी अध्यक्ष डा. सुनील कुमार विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष गिरीश चन्द्र, अकादमी निदेशक डा. श्रद्धा शुक्ला ने सम्मानित किया।

समारोह में भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय के शिक्षकों-छात्रों ने भजन की प्रस्तुति दी।

ललित कला अकादमी के स्थापना दिवस पर कलाकार सम्मानित किए गए।

37 कलाकारों को अकादमी में सम्मानित किया गया

जन्मदिन पर सम्मान पाना खासः श्याम मिश्रा

अधिसदस्यता सम्मान से सम्मानित कलाकार श्याम शर्मा ने कहा कि एक तो अकादमी द्वारा 22 वर्षों के बाद सम्मान की घोषणा हुई जिसके लिए मेरा नाम चयनित किया गया और दूसरा आज सम्मान समारोह के ही दिन मेरा जन्म दिन भी होता है इसलिए ये लम्हा आजीवन याद रहेगा।

40 मूर्तियों को प्रदेश भर में स्थापित किया जा रहा है

उपलब्धियां गिनाईं

अकादमी निदेशक डॉ श्रद्धा शुक्ला ने अकादमी की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि अकादमी द्वारा लगभग 60 से अधिक कार्यक्रमों का आयोजन विगत वर्ष में किया गया है तथा संस्कृति विभाग के निर्देशन में 40 मूर्तियों को प्रदेश भर में स्थापित किया जा रहा है तथा अन्य मूर्तियों के निर्माण की प्रक्रिया पूर्ण की जा रही है। रेतशिल्प कार्यशाला में अकादमी ने विश्व रिकार्ड बनाया।

ये हुए सम्मानित

50 हजारः 10 कलाकार
अखिल भारतीय कला प्रदर्शनी

मनीष गोंड, हिमाचल प्रदेश (चित्र), उमेन्द्र प्रताप सिंह, लखनऊ (चित्र), नेहा कुमारी, वाराणसी (चित्र), जय गुप्ता, वाराणसी (चित्र), सुमित कुमार ठाकुर, कानपुर (चित्र), प्रीति, दिल्ली (चित्र), अनूप कुमार सिंह, लखनऊ (रेखांकन), त्रिभुवन कुमार, लखनऊ (ग्राफिक), मनोज कुमार, गोरखपुर (मूर्ति), सुशील कुमार भीम, जौनपुर (मूर्ति)

10 हजारः 21 कलाकार
क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी

डॉ दुर्जन सिंह-बुलंदशहर (चित्र), यशस्वी-मेरठ (चित्र), शगुफ्ता-मुजफ्फरनगर (चित्र), अनुल शर्मा-आगरा (ग्राफिक्स), कमलेश्वर शर्मा-मथुरा (चित्र), ऋषभ प्रताप सिंह-आगरा (टेराकोटा), रश्मि श्रीवास्तव-लखनऊ (चित्र), शिवम सिंह प्रजापति-प्रयागराज (मूर्तिकला), सुषमा पाल-लखनऊ (मूर्तिकला), बलदाव जी वर्मा-वाराणसी (चित्र), अक्षत कुमार सिंह-जौनपुर (चित्र), संतोष कुमार-वाराणसी (मूर्ति), महेश कुमार वर्मा-बस्ती (मूर्ति), विनय कुमार-महाराजगंज (चित्र), विवेक कुमार साहनी-गोरखपुर (चित्र), श्रुति वर्मा-बरेली (चित्र), अमन अग्रवाल-बरेली (चित्र), विनोद कुमार-रामपुर (चित्र), सुमित ठाकुर-कानपुर (चित्र), सुबोध पाल-कानपुर (ड्रॉइंग), समीक्षा द्विवेदी-कानपुर (कोलाज)

20 हजार
पंचम राज्य व्यावहरिक कला प्रदर्शनी

पांच कलाकार : सुनील कुमार,-अयोध्या, अतुल हुन्डू-लखनऊ, शुभम कुमार चौहान-वाराणसी, सत्यम विश्वकर्मा-वाराणसी, कैलाश सोनी-देवास, मध्य प्रदेश

Publication	नवभारत टाइम्स (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	9 FEB 2025	Page- 04

कलाकारों की भूमि है उत्तर प्रदेश: पद्मश्री श्याम शर्मा

अकादमी का अधिसदस्यता सम्मान दिया गया

■ NBT न्यूज, लखनऊ: कैसरबाग स्थित लाल बारादरी में शनिवार को उत्तर प्रदेश राज्य ललित कला अकादमी का स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय कवि और संस्कार भारती के अखिल भारतीय संरक्षक बांकेलाल गौड़ और विशिष्ट अतिथि अकादमी के पूर्व अध्यक्ष सीताराम कश्यप मौजूद रहे। इस अवसर पर 22 वर्षों बाद अकादमी ने अपने सर्वोच्च सम्मान 'अधिसदस्यता सम्मान' से प्रसिद्ध छापाकला के कलाकार पद्मश्री श्याम शर्मा को सम्मानित किया गया। पुरस्कार स्वरूप उन्हें 51,000 रुपये की धनराशि, अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह और पौधा भेंट किया गया।

सम्मान मिलने पर उन्होंने गौरवशाली इतिहास का जिक्र करते हुए छापा कला की यादों को साझा किया। उन्होंने छापा कला के सदियों पुराने इतिहास से भी लोगों को अवगत करवाया और अकादमी द्वारा युवा कलाकारों को प्रोत्साहित करने की सराहना की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश कलाकारों की भूमि है। कार्यक्रम में निदेशक डॉ. श्रद्धा शुक्ला ने अकादमी की एक वर्ष की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि बांकेलाल गौड़ कहा कि अकादमी के आयोजन कला को प्रोत्साहन देने का कार्य करते हैं।

हस्तियों को मिला अवॉर्ड-ए-तिरंगा

■ NBT न्यूज, लखनऊ: सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था एलायंस सोशल ऐंड कल्चरल सोसायटी की ओर से शनिवार को हजरतगंज स्थित सहकारिता भवन प्रेक्षागृह में आयोजित एक समारोह में शहर की विभूतियों को अवॉर्ड-ए-तिरंगा से सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि सुधीर एस. हलवासिया और विशिष्ट अतिथि मुरलीधर आहूजा और दिलावर हुसैन ने सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, शिक्षा, चिकित्सा सहित अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित किया गया। इसमें फिल्म अभिनेत्री शशि शर्मा, लेखक-निर्देशक जावेद बेग, आईपीएस अखिलेश निगम, आनंद कुमार शाही, हाजी इरशाद अहमद, अभिनेता अब्दुर रहमान, जीएस वालिया, हाजी इस्लामुद्दीन, शकील अहमद, इरफान लखनवी को सम्मानित किया गया।

Publication	राष्ट्रीय सहारा (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	9 FEB 2025	Page- 07

लखनऊ के 3 कलाकारों संग 10 पुरस्कृत

लखनऊ (एसएनबी)। राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश के 64 वें स्थापना दिवस सम्मान समारोह का शुभारम्भ आज शनिवार को लाल वारादारी भवन, कैसरवाग में मनाया गया। इस अवसर पर अकादमी ने अपने सर्वोच्च सम्मान अधिसदस्यता सम्मान से प्रसिद्ध छापाकला के कलाकार पद्मश्री श्याम शर्मा को सम्मानित किया। यह सम्मान मुख्य अतिथि एवं विशिष्ठ अतिथि द्वारा पदमश्री श्याम शर्मा को 51,000/- पुरस्कार धनराशि, अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न, पौधा भेंट किया गया। सम्मान प्राप्त करने के वाद श्री शर्मा ने अकादमी का आभार जताया।

अकादमी द्वारा महाकुम्भ के अवसर पर आयोजित अखिल भारतीय कला प्रदर्शनी में पुरस्कृत 10 कलाकारों मनीष गोंड, हिमांचल प्रदेश (चित्र), उमेन्द्र प्रताप सिंह, लखनऊ (चित्र), नेहा कुमारी, वाराणसी (चित्र), जय गुप्ता, वाराणसी (चित्र), सुमित कुमार ठाकुर, कानपुर (चित्र), प्रीति, दिल्ली (चित्र), अनूप कुमार सिंह, लखनऊ (रेखांकन), त्रिभुवन कुमार, लखनऊ (ग्रफिक), मनोज कुमार, गोरखपुर (मूर्ति), सुशील कुमार भीम, जौनपुर (मूर्ति) को रुपये 50,000/- पुरस्कार धनराशि, स्मृति चिह्न, प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। आयोजन के क्रम में महाकुम्भ के अवसर पर अकादमी द्वारा आयोजित पंचम राज्य व्यावहरिक कला प्रदर्शनी में पुरस्कृत 5 कलाकारों सुनील कुमार,-अयोध्या, अतुल हुन्डू- लखनऊ, शुभम कुमार चौहान-वाराणसी, सत्यम विश्वकर्मा-वाराणसी, कैलाश सोनी-देवास, मध्य प्रदेश को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ठ अतिथि द्वारा रूपये 20,000/- की पुरस्कार धनराशि, प्रमाण पत्र, स्मृति चिह्न एवं पौधा प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश द्वारा कला के संवर्धन के लिए संचालित क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी का आयोजन वर्ष 2023 में प्रदेश के विभिन्न 7 क्षेत्रों में किया गया तथा प्रत्येक क्षेत्र से चयनित 3 कलाकारों के क्रम में प्रदेश भर से कुल 21 कलाकारों डॉ. दुर्जन सिंह-वुलंदशहर (चित्र), यशस्वी-मेरठ (चित्र), शगुफ्ता-मुजफ्फरनगर (चित्र), अनुल शर्मा-आगरा (ग्राफिक्स), कमलेश्वर शर्मा-मथुरा (चित्र), ऋषभ प्रताप सिंह-आगरा (टेराकोटा), रश्मि श्रीवास्तव-लखनऊ (चित्र), शिवम सिंह प्रजापति-प्रयागराज(मूर्तिकला), सुषमा पाल-लखनऊ (मूर्तिकला), वलदाव जी वर्मा-वाराणसी (चित्र), अक्षत कुमार सिंह-जौनपुर (चित्र), संतोष कुमार-वाराणसी (मूर्ति), महेश कुमार वर्मा-वस्ती (मूर्ति), विनय कुमार-महाराजगंज (चित्र), विवेक कुमार साह्नी-गोरखपुर (चित्र), श्रुति वर्मा-वरेली (चित्र), अमन अग्रवाल-वरेली (चित्र), विनोद कुमार-रामपुर (चित्र), सुमित ठाकुर-कानपुर (चित्र), सुवोध पाल-कानपुर (ड्रॉइंग), समीक्षा द्विवेदी-कानपुर (कोलाज) को मुख्य अतिथि, विशिष्ठ अतिथि द्वारा रुपये 10,000/- की धनराशि, स्मृति चिह्न दिया गया।

पद्मश्री श्याम शर्मा को ललित कला अकादमी का सर्वोच्च सम्मान

मंचासीन अतिथियों द्वारा पद्मश्री श्याम शर्मा के मोनोग्राफ का विमोचन किया तत्पश्चात पदमश्री श्याम शर्मा ने सभी कलाकारों को अपनी वृहद एवं उज्ज्वल कलाकारी का अपना प्रभावी व्याख्यान भी दिया तथा विश्वप्रसिद्ध छापाकला के उदय से लेकर उसके विकास के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराया। वरिष्ठ कलाकार मो. शकील, राजेन्द्र प्रसाद एवं अकादमी के सदस्य डॉ. संदीप श्रीवास्तव, अभिनवदीप, किरन सिंह राठौर एवं अकादमी के समस्त कर्मचारियों की उपस्थिति रही।मुख्य अतिथि बांके लाल गौड़ (राष्ट्रीय कवि, अखिल भारतीय संरक्षक-संस्कार भारती), विशिष्ठ अतिथि सीताराम कश्यप (पूर्व अध्यक्ष, राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश) के जरिये दीप जलाकर किया गया। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ठ अतिथि को स्मृति चिह्न, अंगवस्त्र एवं पौधा भेंट अकादमी के अध्यक्ष, डॉ. सुनील विश्वकर्मा, अकादमी के उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र ने किया।

Publication	अमृत विचार (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	9 FEB 2025	Page- 07

प्रो. श्याम शर्मा को ललित कला अकादमी का सर्वोच्च सम्मान

राज्य ललित कला अकादमी का 64वां स्थापना दिवस, 37 अन्य कलाकारों को मिले पुरस्कार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: राज्य ललित कला अकादमी के 64वें स्थापना दिवस पर 37 कलाकारों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया। अकादमी के सर्वोच्च अधिसदस्यता सम्मान के लिए पद्मश्री प्रो. श्याम शर्मा को सम्मानित किया गया। अकादमी ने 22 साल बाद किसी कलाकार को अपना सर्वोच्च सम्मान दिया है।

सम्मानित होने वाले कलाकारों का ग्रुप। अमृत विचार

लाल बारादरी स्थित राज्य ललित कला अकादमी में आयोजित सम्मान समारोह में अकादमी के पूर्व अध्यक्ष सीताराम कश्यप और संस्कार भारती के अखिल भारतीय संरक्षक बांके लाल गौड़ ने कलाकारों को सम्मानित किया। इस मौके पर अकादमी के अध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष गिरीश चन्द्र और निदेशक डॉ. श्रद्धा शुक्ला की मौजूदगी उल्लेखनीय रही।

पटना से आये छापाकला के मूर्धन्य कलाकार प्रो. श्याम शर्मा को अकादमी के अधिसदस्यता सम्मान के रूप में 51 हजार रुपये की धनराशि, अंगवस्त्रम और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर प्रो. श्याम शर्मा ने अकादमी के गौरवशाली इतिहास का जिक्र करते हुए छापा कला की यादों को अपनी प्रस्तुति से साझा किया। उन्होंने छापा कला के सदियों पुराने इतिहास से लोगों को अवगत कराया और अकादमी द्वारा युवा कलाकारों को प्रोत्साहित करने की सराहना की।

पंचम राज्य व्यावहारिक कला प्रदर्शनी 2024-25 में पुरस्कृत कलाकार

अयोध्या के सुनील कुमार, लखनऊ के अतुल हुन्डू, वाराणसी के शुभम कुमार चौहान, सत्यम विश्वकर्मा, देवास- मध्य प्रदेश के कैलाश सोनी को 20 हजार रुपये की धनराशि, स्मृति चिह्न व प्रमाण-पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।

इनका हुआ सम्मान

महाकुम्भ - 2025 प्रयागराज पर आधारित अखिल भारतीय कला प्रदर्शनी 2024- 25 में पुरस्कृत कलाकारों में हिमांचल प्रदेश के मनीष गोंड (चित्र), लखनऊ के उमेन्द्र प्रताप सिंह (चित्र), अनूप कुमार सिंह (रेखांकन), त्रिभुवन कुमार (ग्राफिक), वाराणसी की नेहा कुमारी (चित्र), जय गुप्ता (चित्र), कानपुर के सुमित कुमार ठाकुर (चित्र), दिल्ली की प्रीति (चित्र), गोरखपुर के मनोज कुमार (मूर्ति), जौनपुर के सुशील कुमार भीम (मूर्ति) को 50 हजार रुपये की धनराशि, स्मृति चिह्न और प्रमाण पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।

अकादमी की क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी में पुरस्कृत 21 कलाकार

बुलंदशहर के डॉ. दुर्जन सिंह (चित्र), मेरठ के यशस्वी (चित्र), मुजफ्फरनगर की शगुफ्ता (चित्र), आगरा के अनुल शर्मा (ग्राफिक्स), ऋषभ प्रताप सिंह (टेराकोटा), मथुरा के कमलेश्वर शर्मा (चित्र), लखनऊ की रश्मि श्रीवास्तव (चित्र), सुषमा पाल (मूर्तिकला), प्रयागराज के शिवम सिंह प्रजापति (मूर्तिकला), वाराणसी के बलदाव जी वर्मा (चित्र), संतोष कुमार (मूर्ति), जौनपुर के अक्षत कुमार सिंह (चित्र), बस्ती के महेश कुमार वर्मा (मूर्ति), महाराजगंज के विनय कुमार (चित्र), गोरखपुर के विवेक कुमार साहनी (चित्र), बरेली की श्रुती वर्मा (चित्र), अमन अग्रवाल (चित्र), रामपुर के विनोद कुमार (चित्र), कानपुर के सुमित ठाकुर (चित्र), सुबोध पाल (ड्रॉइंग), समीक्षा द्विवेदी (कोलाज) को 10 हजार रुपये की धनराशि और प्रमाण-पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।

Publication	आज (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	9 FEB 2025	Page- 04

राज्य ललित कला अकादमी के स्थापना दिवस पर पद्मश्री अशोक शर्मा को अधिसदस्यता सम्मान से सम्मानित करते बांकेलाल गौड़ संस्कार भारती व सीताराम कश्यप पूर्व अध्यक्ष ललितकला।

Publication	विश्ववार्ता (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	9 FEB 2025	Page- 04

22 साल बाद अकादमी ने दिया अपना सर्वोच्च अधिसदस्यता सम्मान

उ.प्र.राज्य ललित कला अकादमी का स्थापना दिवस व सम्मान समारोह, छापाकला के अप्रतिम कलाकार पद्मश्री श्याम शर्मा सम्मानित

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश के 64वें स्थापना दिवस के अवसर सम्मान समारोह में छापा कला के अप्रतिम कलाकार पटना के पदमश्री श्याम शर्मा के जन्मदिन के अवसर पर उन्हें अकादमी के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सर्वोच्च सम्मान 22 वर्ष के पश्चात किसी महानुभाव को अकादमी द्वारा चयनित कर प्रदान किया गया है।

अकादमी द्वारा अपने सर्वोच्च सम्मान "अधिसदस्यता सम्मान" से पदमश्री श्याम शर्मा को सम्मानित किया गया। यह सम्मान मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा पदमश्री श्याम शर्मा को 51,000 रुपये पुरस्कार धनराशि, अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह, पौधा भेंट किया गया।

सम्मान प्राप्त करने के पश्चात पदमश्री श्याम शर्मा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अकादमी के प्रति अपना आभार ज्ञापित किया एवं कहा कि राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश देश के कला क्षेत्र में अपना स्थान है, इस सर्वोच्च सम्मान के लिए मुझे चयनित करने के लिए मैं अकादमी का पुनः आभार प्रकट करता हूं।

36 अन्य कलाकार भी पुरस्कृत

इसी क्रम में अकादमी द्वारा महाकुम्भ के अवसर पर आयोजित अखिल भारतीय कला प्रदर्शनी में पुरस्कृत 10 कलाकारों मनीष गौड़, हिमाचल प्रदेश (चित्र), उमेन्द्र प्रताप सिंह, लखनऊ (चित्र), नेहा कुमारी, वाराणसी (चित्र), जय गुप्ता, वाराणसी (चित्र), सुमित कुमार ठाकुर, कानपुर (चित्र), प्रीति, दिल्ली (चित्र), अनूप कुमार सिंह, लखनऊ (रेखांकन), त्रिभुवन कुमार, लखनऊ (ग्राफिक), मनोज कुमार, गोरखपुर (मूर्ति), सुशील कुमार भीम, जौनपुर (मूर्ति) को को रूपये 50,000 रुपये पुरस्कार धनराशि, स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र, पौधा मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा भेंट कर पुरस्कृत किया गया।

इसी क्रम में महाकुम्भ के अवसर पर अकादमी द्वारा आयोजित पंचम राज्य व्यावहारिक कला प्रदर्शनी में पुरस्कृत पांच कलाकारों सुनील कुमार,- अयोध्या, अतुल इन्दु- लखनऊ,

» श्याम शर्मा को 51,000 रुपये पुरस्कार धनराशि, अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न किया भेंट

शुभम कुमार चौहान-वाराणसी, सत्यम विश्वकर्मा-वाराणसी, कैलाश सोनी-देवास, मध्य प्रदेश को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा रूपये 20,000 रुपये की पुरस्कार धनराशि, प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह एवं पौधा प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।

राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश द्वारा कला के संवर्धन के लिए संचालित क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी का आयोजन वर्ष 2023 में प्रदेश के विभिन्न सात क्षेत्रों में किया गया तथा प्रत्येक क्षेत्र से चयनित तीन कलाकारों के क्रम में प्रदेश भर से कुल 21 कलाकारों डॉ. दुर्जन सिंह-बुलंदशहर (चित्र), यशस्वी-मेरठ (चित्र), शगुफ्ता-मुजफ्फरनगर (चित्र), अनुल शर्मा-आगरा (ग्राफिक्स), कमलेश्वर शर्मा-मथुरा (चित्र), ऋषभ प्रताप सिंह-आगरा (टेराकोटा), रश्मि श्रीवास्तव-लखनऊ (चित्र), शिवम सिंह प्रजापति-प्रयागराज (मूर्तिकला), सुषमा पाल-लखनऊ (मूर्तिकला), बलदाव जी वर्मा-वाराणसी (चित्र), अक्षत कुमार सिंह-जौनपुर (चित्र), संतोष कुमार-वाराणसी (मूर्ति), महेश कुमार वर्मा-बस्ती (मूर्ति), विनय कुमार-महाराजगंज (चित्र), विवेक कुमार साहनी-गोरखपुर (चित्र), श्रुती वर्मा-बरेली (चित्र), अमन अग्रवाल-बरेली (चित्र), विनोद कुमार-रामपुर (चित्र), सुमित ठाकुर-कानपुर (चित्र), सुबोध पाल-कानपुर (ड्राइंग), समीक्षा द्विवेदी-कानपुर (कोलाज) का को मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि द्वारा रूपये 10,000 रुपये की धनराशि, स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र एवं पौधा भेंट कर पुरस्कृत किया गया। समारोह शुभारम्भ शनिवार को लाल बारादरी भवन, कैसरबाग लखनऊ में मुख्य अतिथि बांकि लाल गौड़ (राष्ट्रीय कवि, अखिल भारतीय संरक्षक-संस्कार भारती), विशिष्ट अतिथि सीताराम कश्यप (पूर्व अध्यक्ष, राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश) द्वारा किया गया।

मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र एवं पौधा भेंट

कर अकादमी के अध्यक्ष, डॉ.सुनील विश्वकर्मा, अकादमी के उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र द्वारा स्वागत किया गया।डॉ. सुनील कुमार विश्वकर्मा, अध्यक्ष-राज्य ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश द्वारा अपने स्वागत सम्बोधन में सभी अतिथियों, सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त करने वाले महानुभावों सहित उपस्थित सभी महानुभावों का स्वागत किया करने के साथ ही अकादमी के 64वें स्थापना दिवस की बधाई दी गयी। डॉ. सुनील विश्वकर्मा ने बताया कि अकादमी द्वारा अपने स्थापना दिवस के अवसर पर इतने वृहद सम्मान समारोह का आयोजन निश्चित ही प्रशंसनीय है एवं इस हेतु अकादमी के समस्त अधिकारी व कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश की निदेशक डॉ० श्रद्धा शुक्ला ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित गणमान्य महानुभावों को अकादमी की नियमित चलने वाले गतिविधियों एवं विगत वर्ष में प्रदेश भर में किये गए आयोजनों से विस्तृत रूप से परिचित कर वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

60 कार्यक्रम, 40 मूर्तियों की स्थापना

डॉ. श्रद्धा शुक्ला ने बताया कि अकादमी द्वारा लगभग 60 से अधिक कार्यक्रमों का आयोजन विगत वर्ष में किया गया है तथा संस्कृति विभाग के निर्देशन में लगभग 40 मूर्तियों को प्रदेश भर में स्थापित किया जा रहा है तथा अन्य मूर्तियों के निर्माण की प्रक्रिया को पूर्ण किया जा रहा है एवं रामोत्सव-2024, अयोध्या के अवसर पर रेतशिल्प कार्यशाला में अकादमी ने विश्व रिकार्ड अपने नाम दर्ज किया है।

राज्य ललित कला अकादमी ,उ.प्र. देश भर की अकादमियों में पहली अकादमी है जिसमें कलाकारों के नवोदय व उत्थान के लिए नियमित पाठ्यक्रम बीवीए (चित्रकला) का संचालन किया जा रहा है। ज्ञातव्य है कि भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ के संघटक संस्थान के रूप में अकादमी में बीवीए (चित्रकला) के नियमित पाठ्यक्रम का प्रारम्भ शैक्षणिक सत्र 2024-25 से अकादमी परिसर में किया गया है।

के विशिष्ट अतिथि सीताराम कश्यप (पूर्व अध्यक्ष, राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश) ने अपने सम्बोधन में सम्मान व पुरस्कार प्राप्त करने वाले कलाकारों को बधाई प्रेषित की व अकादमी को ऐसे आयोजन के लिए प्रशंसा की! कश्यप ने कहा कि ऐसे अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित करने के लिया अकादमी का आभार व्यक्त करता हूं और कहा कि यह समारोह आज अकादमी व कलाकारों के लिए एक उत्सव के रूप में आयोजित हो रहा है तथा अकादमी के इतिहास में यह पहला आयोजन होगा कि एक साथ इतने कलाकारों को पुरस्कृत किया गया है।

अकादमी के 64वें स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह के अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि बांकेलाल ने अपने सम्बोधन में अधिसदस्यता सम्मान से सम्मानित होने वाले पदमश्री श्याम शर्मा एवं विभिन्न प्रदर्शनियों में पुरस्कृत कलाकारों को शुभकामनायें व बधाई प्रेषित करने के साथ ही कहा कि अकादमी द्वारा अपने स्थापना दिवस के अवसर पर इस प्रकार के सम्मान समारोह का आयोजन इतने वृहद स्तर पर करना अकादमी के नवाचार को बढ़ावा देगा तथा अकादमी द्वारा ऐसे स्मरणीय आयोजन कला को प्रोत्साहन देने का कार्य करते हैं।

एक व्यक्ति अपने जीवन को कला में रमा देता है तब वह एक कलाकार बन पाता है। एक कलाकार अपने सम्पूर्ण जीवन को तपस्या के रूप में आहुत करने के उपरांत ही दर्शकों को प्रभावित करने वाली कलाकृति का सृजन कर पाता है। सभी कलाकार एवं नवोदित कलाकार अकादमी के माध्यम से अपना भविष्य देखते हैं। कलाकार समाज का एक दर्पण के रूप में होता है तो कलाकारों को ऐसी कृतियों एवं चित्रों का सृजन करना चाहिए जिससे समाज निरंतर प्रेरणा प्राप्त कर सके।

अखिल भारतीय संरक्षक-संस्कार भारती बांकि लाल गौड़ राष्ट्रीय कवि, ने कहा कि अकादमी ने इस भव्य समारोह में मुझे मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया इसके लिए मैं अकादमी परिवार का आभार व्यक्त करता हूं। इसके पश्चात सभी मंचासीन अतिथियों द्वारा पदमश्री श्याम शर्मा के मोनोग्राफ का विमोचन किया तत्पश्चात पदमश्री श्याम शर्मा ने सभी कलाकारों को अपनी वृहद एवं उज्जवल कलाकारी का अपना प्रभावी व्याख्यान भी दिया। विश्वप्रसिद्ध छापाकला के उदय से लेकर उसके विकास के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराया एवं इसके सामाजिक तथा व्यावहारिक उदाहरणों से सभी को परिचित कराया।

पेश किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रम

समारोह में भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के कला शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित अतिथियों एवं गणमान्यों को मन्त्रमुग्ध कर लिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में हारमोनियम पर डॉ. कमलेश दुबे, तबला पर अनीत कुमार, वायलिन पर संजरी साहू, काजल, मोक्षी यादव, मोनिका जोशी, शिवानी तिवारी, श्रुति कसौधन, कृतिका सिंह, निकिता नाथ, रिया श्रीवास्तव, दिविकन कर, कामाख्या कर, नलिनि त्रिपाठी, नीलू पाण्डेय, सुश्री प्रियंका श्रीवास्तव, रत्ना चतुर्वेदी एवं पवन कुमार ने अपनी प्रस्तुति दी।

समारोह के समापन में अकादमी के उपाध्यक्ष गिरीश चन्द्र ने अपने धन्यवाद सम्बोधन में उपस्थित मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं उपस्थित अन्य महानुभावों को अकादमी के स्थापना दिवस समारोह एवं सम्मान समारोह में पधारने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया तथा कहा कि अकादमी ने इतने अल्प समय में ऐसे सुव्यवस्थित एवं अविस्मरणीय समारोह का आयोजन किया इसके लिए मैं अकादमी के समस्त अधिकारी व कर्मचारियों को अपनी बधाई प्रेषित करता हूं। इस अवसर पर वरिष्ठ कलाकार मो.शकील, राजेन्द्र प्रसाद एवं अकादमी के सदस्य डॉ. संदीप श्रीवास्तव, अभिनवदीप, किरन सिंह राठौर, सुनील कुमार सिंह कुशवाहा, डॉ. प्रफुल्ल चन्द्र राय एवं अकादमी के समस्त कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

Padma Shri Prof. Shyam Sharma Honoured with Lalit Kala Academy’s Highest Award

Publication	Times of India (Lucknow Edition)	Publishing Date :	9 FEB 2025	Page- 05

Lalit Kala Akademi fetes artists on Foundation Day

Lucknow: The 64th Foundation Day ‘Samman Samaroh’ of the State Lalit Kala Akademi was celebrated on Saturday. On the occasion, the Akademi honoured Padma Shri artist Shyam Sharma with the Adhisadasyata Award and a cash prize of Rs 51,000. Ten winning artists from the All-India Art Exhibition 2024-25,

based on Maha Kumbh 2025 were also awarded Rs 50,000 each while winners of the 5th State Practical Art Exhibition 2024-25 received Rs 20,000 each.

The chief guest on the occasion was poet Banke Lal Gond. Former Akademi Chairman Sitaram Kashyap, chairman Sunil Vishwakarma, and director Shraddha Shukla were also present. TNN

Publication	Voice of Lucknow	Publishing Date :	9 FEB 2025	Online

https://voiceoflucknow.com/lalit-kala-academy-shyam-sharma-received-the-honor-of-membership/94836/#:~:text=

ललित कला अकादमी : श्याम शर्मा को मिला अधिसदस्यता सम्मान

By **Anil Dwivedi** Saturday, 8 February 2025 10:51 PM

41 0

राज्य ललित कला अकादमी का 64वां स्थापना दिवस

लखनऊ। कला क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कलाकारों के सम्मान के साथ राज्य ललित कला अकादमी का 64वां स्थापना दिवस शनिवार को मनाया गया। सर्वोच्च अधिसदस्यता सम्मान पटना के छापाकला विधा के कलाकार पद्मश्री श्याम शर्मा को दिया गया।

Publication	Amar Ujala	Publishing Date :	9 FEB 2025	Online

https://www.amarujala.com/lucknow/64th-foundation-day-of-rajya-lalit-kala-academy-2025-02-08

हुनरमंद हाथों की कला को सम्मान: पद्मश्री श्याम शर्मा को मिला अकादमी का सर्वोच्च अधिसदस्यता सम्मान

अमर उजाला नेटवर्क, लखनऊ Published by: ishwar ashish Updated Sat, 08 Feb 2025 10:21 PM IST

सार

146551 Followers लखनऊ

राज्य ललित कला अकादमी के 64वें स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह में 37 कलाकारों को सम्मानित किया गया। आयोजन में पद्मश्री श्याम शर्मा को सर्वोच्च अधिसदस्यता सम्मान दिया गया।